तकनीकी शब्दों को आसान करेगी शर्करा उद्योग शब्दावली

कानपुर (एसएनबी)। शर्करा उद्योग प्रायोगिक/अनुपयुक्त शब्दावली उद्योग के विभिन्न तकनीकी शब्दों के अंग्रेजी से हिन्दी रूपांतर से शर्करा उद्योग में कार्यरत कार्मिकों को विषय को समझने में सहायता मिलेगी। यह बात शर्करा उद्योग शब्दावली का विमोचन करते हुए सीएसजेएम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कही।

शर्करा उद्योग प्रायोगिक/अनुपयुक्त शब्दावली का विमोचन राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के सार्थक प्रयासों के लिये संस्थान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस शब्दावली से शर्करा उद्योग में कार्यरत कार्मिकों को तमाम तकनीकी शब्दों के सही अर्थ और विषय की सही जानकारी मिलेगी। संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने इस शब्दावली को तैयार करने के लिये राजभाषा अनुभाग सहित संस्थान के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह शब्दावली न केवल कर्मियों बल्कि संस्थान के छात्रों के लिये भी लाभप्रद साबित होगी। उन्होंने कहा कि देश की अधिकांश चीनी मिलें ग्रामीण अंचलों में हैं और बड़ी संख्या यह हिन्दी भाषा-भाषी लोगों द्वारा संचालित की जाती हैं। ऐसी शब्दावली की कमी लम्बे समय से महसूस की जा रही थी, जो शर्करा और सम्बद्ध उद्योगों में प्रचलित तकनीकी शब्दों का सही हिन्दी अर्थ व अनुवाद से परिचित करा सकें। संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी बृजेश कुमार साहू, पंकज कुमार ठाकुर, महेन्द्र कुमार यादव आदि थे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शर्करा उद्योग शब्दावली का विमोचन करती कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता, निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन व बृजेश कुमार साहू। फोटो : एसएनबी